वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
झारखण्ड सरकार

कार्यालय : सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, राँची
vUrxr

<u>**Best Practices**</u>

Lkekftd okfudh ie.My] jkph vUrxZr

Best Practices

¼1½ o`{kkjksi.k vfxze ,oa lekiu dk;Z vUrxZr >kM+h] fo'ks"kdj **Lantana** dk dkVus dh txg tM+ ls m[kkM+ dj o`{kkjksi.k gsrq LFky rS;kj djuk&

(i) वृक्षारोपण अग्रिम कार्य अनतर्गत प्राय: झाड़ी की सफाई अन्तर्गत झाड़ी एवं Lantana की भी प्राय: कटाई कर स्थल को साफ किया जाता है, जिसके कारण वृक्षारोपण कार्य करने के समय तक झाड़ी एवं Lantana इतना बढ़ जाता है कि पौधा लगाने के समय गड्ढा को खोज कर पौधा लगाना पड़ता है, जिसके कारण पौधा का विकास सही रूप से नहीं हो पाता है।

(ii) >kM+h lkQ djus dh fo'ks"k fof/k viukuk&

वृक्षारोपण अग्रिम कार्य के दौरान स्थल सफाई अन्तर्गत झाड़ी, खासकर पुटुस की कटाई नहीं कराई गयी, बल्कि झाड़ी एवं पुटुस को जड़ से उखाड़ा गया एवं बचे झाड़ी एवं पुटुस को वृक्षारोपण समापन कार्य के पूर्व जड़ से उखाड़ा गया। झाड़ी एवं पुटुस को पूर्णरूप से उखाड़कर हीं स्थल की पूर्ण सफाई की गयी। इससे वृक्षारोपण को सफल बनाने में काफी सफलता मिली।

¼2½ o`{kkjksi.k iol fiV dh iqu% xgjkbZ c<kuk &

वृक्षारोपण समापन कार्य के दौरान प्रत्येक पिट को सबल से पुनः कोड़ाई करना एवं अवषेष पत्थल को निकालना एवं गड्ढ़ा की गहराई बढ़ाना संबंधी कार्य कराया गया, इससे पथरीला क्षेत्र/पहाड़ी पर किए वृक्षारोपण को सफल बनाने में काफी मदद मिली।

¼3½ o`{kkjksi.k ¼lekiu½ dk;Z vUrxZr 20% ls vf/kd Qynkj ikS/kk yxkuk

वृक्षारोपण (समापन) कार्य अन्तर्गत काष्ठ प्रजाति का वृक्षारोपण करने से उस वृक्षारोपण स्थल का वृक्षारोपण योजना समाप्त होने के उपरान्त ग्रामीण उसे नहीं बचाते है, बल्कि काष्ठ प्रजाति के पौधे को अपने उपयोग हेतु या अन्य कार्य हेतु कटाई कर देते है।

वृक्षारोपण (समापन) कार्य अन्तर्गत 100–200 फीट की दूरी पर अथवा 25 पौधे के अन्तराल पर फलदार प्रजाति के पौधों यथा आम, कटहल, महुआ, जामुन, आँवला, इमली, हर्रे, वहेरा आदि के पौधे लगाया गया। इससे वृक्षारोपण योजना समाप्ति के उपरान्त फलदार पौधें से ग्रमीणों का लगाव के कारण, काष्ठ प्रजाति के कुछ पौधों की कटाई हो जाती है, लेकिन फलदार प्रजाति के पौधों की सुरक्षा ग्रामीण स्वयं करते है। इस कारण वृक्षारोपण स्थल में वर्षो बाद भी फलदार पौधा अवश्य रहेंगे एवं वृक्षारोपण योजना सफल हो जायेगा।

¼4½ o{kkjksi.k lEiks"k.k dk;l vUrxlr dkMuh & fudkuh dk;kl ds nkjku isM ds tM ds pkjks rjQ feV~Vh Mkys ,o mlds pkjksrjQ feV~Vh dh [kqnkbl dj fjax cukuk &

पौधे के चारो तरफ मिट्टी का ढेर बनाने से एक ओर पौधा का सहारा मिलता है एवं उसके चारो तरफ गड्ढा कर रिंग बनाने से उसमें बारिश का पानी जमा होता है एवं इससे ज्यादा दिनों तक पौधों को नमी मिलता रहता है, जिससे पौधों को सही विकास में मदद मिलती है।

¼5½ o{kkjksi.k lEiks"k.k dk;l ds nkjku T;knk ls T;knk Qynkj ik/kks dk ch@xByh dks [kkyh txg ij xM<k dj vdqj.k gsrq jksi.k &

आम, कटहल, महुआ, जामुन, आदि के बीजो के वृक्षारोपण सम्पोषण कार्य के दौरान प्रतिस्थानी पौधा के रोपण के साथ–साथ खाली स्थलों पर बीजारोपण का कार्य करने से फलदार पौधे का धनत्व बढ़ता है, जिसके कारण स्थानीय ग्रामीणों का वृक्षारोपण की सुरक्षा में सहयोग भी मिलता है और फलदार पौधो से स्थानीय लोगो के लगाव के कारण फलदार वृक्षों की सुरक्षा के साथ–साथ अन्य वृक्षों की सुरक्षा भी होती है।

¼6½ jk¡ph fLFkr ljdkjh Hkou&ifjljksa dk lkSUn;hZdj.k &

राँची स्थित सरकारी भवन परिसर यथा राजभवन, सचिवालय भवन परिसर, प्रोजेक्ट भवन एवं नेपाल हाउस, एफ0एफ0पी0 भवन, एम0डी0आई0 भवन, इंजिनियर्स हॉस्टल भवन, टी0ए0 डीवीजन भवन आदि भवन परिसरों को सदाबहार, मौसमी पौधा, गमला–पौधे, रंग–रोगन आदि कार्यो से सौन्दर्यीकरण कार्य बेहतर से बेहतर करने का प्रयास किया गया।

महामहीम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, माननीय मंत्रियों, आदरणीय मुख्य सचिव एवं अन्य पदाधिकारियों की सुविधा एवं पसंद के अनुसार परिसर को विभिन्न प्रकार के फूलदार एवं अन्य प्रकार के पौधों से भवन परिसर, गैलरी, चेम्बर आदि को आवष्यकतानुसार सजाने एवं उसे दिन–प्रतिदिन के हिसाब से अच्छी स्थिति में रखने का प्रयास किया गया।

उक्त सरकारी भवन–परिसरों के सौन्दर्यीकरण कार्य से वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की छवि पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

¼7½ o`{kkjksi.k ,oa vU; foHkkxh; dk;kZsa esa layXu etnwjksa dh etnwjh Payee ID cukdj lh/ks Hkqxrku djuk &

वर्ष 2021–22 में प्रमण्डल में वन क्षेत्र पदाधिकारी की पदस्थापना नवम्बर, 2021 तक नहीं होने के कारण वृक्षारोपण एवं अन्य सरकारी कार्य में संलग्न मजदूरों को उनका Payee ID बनाकर सीधे प्रमण्डल से मजदूरों की मजदूरी एवं सामग्री आपूर्तिकर्त्ता की बकाया राषि का भुगतान किया गया। इससे समय पर वृक्षारोपण, समापन–सम्पोषण के साथ–साथ अन्य कार्यो की राशि सीधे लाभार्थी को भुगतान करना सम्भव हुआ।

/kU;okn

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, राँची।